## संक्षिप्त समाचार

### 15 नवंबर तक चलेगा रेड लाइट ऑन गाड़ी ऑफ अभियान

रेड लाइट : ON
गाड़ी : OFF

**नई दिल्ली 21 अक्टूबर (ए)।** दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए दिल्ली सरकार के अभियान की शुरुआत बुधवार सुबह 8 बजे से हो गई है। इसके तहत रेड लाइट होने पर वाहन चालक को इंजन बंद कर देना होगा। यह अभियान आगामी 15 नवंबर तक सुबह 8 बजे से शाम 8 बजे तक चलेगा। अभियान की सफलता के लिए दिल्ली के 100 व्यस्ततम चौराहों पर 2500 पर्यावरण मार्शल की तैनाती की गई है। यह अभियान मुख्य रूप से भीड़ वाले 100 रेड लाइट चौराहों पर चलाया जा रहा। इस अभियान के जरिये लोगों को वायु प्रदूषण के खिलाफ लोगों को जागरूक करने और उनके दायित्व का एहसास कराने के लिए है।दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय का कहना है कि युद्ध, प्रदूषण के विरुद्ध अभियान के तहत 15 नवंबर तक चलेगा। दिल्ली सरकार वायु प्रदूषण से निपटने के लिए एंटी डस्ट कैंपेन भी चला रही है, लेकिन बढ़ते वायु प्रदूषण के चलते दिल्ली सरकार ने भी चलाने का निर्णय लिया है।बुधवार से दिल्ली में शुरू हुए रेड लाइट ऑन गाड़ी ऑफ अभियान सुबह 8 बजे से शाम 8 बजे तक चलेगा। दिल्ली सरकार के मंत्री गोपाल राय का कहना है कि ये अभियान दिल्ली के 2 करोड़ लोगों का है। इसमें सभी को अपनी इच्छा से योगदान करना है। इस अभियान को जन आंदोलन बनाने के लिए दिल्ली सरकार दिल्ली के सभी सांसद, विधायक और पार्षदों को पत्र लिख चुकी है कि वे अपने अपने इलाकों में लोगों को जागरूक करें। इस में राजनीतिक सभी पार्टियों, मार्किट एसोसिएशन, औद्योगिक संगठन, एनजीओ, ऑफिसर्स एसोसिएशन और ट्रेड यूनियन से भी अभियान को सफल बनाने की गुजारिश की गई है। बताया जा रहा है कि यह अभियान सफल रहा तो दिल्ली में 20 फीसद तक वायु प्रदूषण कम किया जा सकता है। बता दें कि दिल्ली के प्रदूषण में सबसे ज्यादा योगदान गाड़ियों का रहता है। फिलहाल पंजाब और हरियाणा में पराली जलाए जाने के चलते वायु गुणवत्ता का स्तर 300 के पार पहुंच गया है।

### दक्षिण दिल्ली में 125 ग्राम हेरोइन के साथ पकड़ा गया विदेशी नागरिक

**नई दिल्ली 21 अक्टूबर (ए)।** राजधानी दिल्ली में 125 हेरोइन के साथ एक विदेशी नागरिक को गिरफ्तार किया गया है। दिल्ली पुलिस एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज आगे की कार्रवाई में जुट गई है। मिली जानकारी के मुताबिक, दिल्ली पुलिस ने ग्रेटर कैलाश स्थित तारा अपार्टमेंट चौक के पास एक विदेशी नागरिक को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। मौक पर ही उसके कब्जे से 125 ग्राम अच्छी गुणवत्ता की स्मैक (हेरोइन) बरामद की है। बरामद स्मैक का मूल्य अंतरराष्ट्रीय बाजार में 3,000 अमेरिकी डॉलर है। इस पर दिल्ली पुलिस एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज आरोपित से पूछताछ कर रही है। वहीं, इससे पहले एक अन्य मामले में हेरोइन की तस्करी करने वाले शातिर को गिरफ्तार कर क्राइम ब्रांच के नारकोटिक्स सेल ने एक बड़े ड्रग रैकेट का भंडाफोड़ किया। तस्कर की पहचान जावेद उर्फ सोनू उर्फ सुलेमानी भाईजान के रूप में की गई है। उसके खिलाफ पहले से हेरोइन तस्करी के चार मामले दर्ज हैं। पुलिस ने एक किलो हेरोइन व तस्करी में इस्तेमाल स्कूटी बरामद की है। गिरफ्तार जावेद मूलरूप से उप्र के फिरोजाबाद का रहने वाला है। दिल्ली में किराये पर रहकर वह तस्करी करता था। उसने दो शादियां कर रखी हैं। तस्करी के एक मामले में कोर्ट ने उसे भगोड़ा घोषित कर रखा था। पुलिस से बचने के लिए उसने अपने कई उपनाम रखे हुए थे। कुछ समय पहले जावेद व उसके सरगना बिशन सिंह उर्फ नतिया उर्फ अनिल गोयलवास को नारकोटिक्स सेल ने 2.5 किलो हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया था। जावेद अलग-अलग नामों से तस्करी का करता था। नारकोटिक्स सेल को सूचना मिली कि जावेद हेरोइन की खेप लेकर पुस्ता रोड, झड़ोदा गांव के पास आपूर्ति करने आने वाला है। नारकोटिक्स सेल ने जावेद को दबोच लिया। स्कूटी की डिग्गी से एक किलो हेरोइन बरामद हुई। पूछताछ से पता चला कि वह फिरोजाबाद का रहने वाला है और चूड़ियां बेचता था।

### सेना उपप्रमुख ने किया अमेरिकी हिंद-प्रशांत कमान का दौरा

**नई दिल्ली 21 अक्टूबर (ए)।** सेना के उपप्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एसके सैनी ने हवाई में अमेरिकी हिंद-प्रशांत कमान का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने वरिष्ठ अमेरिकी सैन्य कमांडरों के साथ दोनों सेनाओं के बीच सामरिक सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।अमेरिकी हिंद-प्रशांत कमान में 3.75 लाख सैन्य और नागरिक कर्मी हैं। यह अमेरिकी सशस्त्र बल की सबसे बड़ी एकीकृत संरचना है। इसका कार्य हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी हितों की रक्षा करना है। मालूम हो कि लेफ्टिनेंट जनरल सैनी शनिवार से चार दिवसीय अमेरिकी यात्रा पर हैं। इस दौरान उन्होंने अमेरिकी सेना की 25वीं इंफैंट्री डिवीजन लाइटनिंग एकेडमी का भी दौरा किया। वहां उन्होंने सैनिकों से बातचीत की और जंगल प्रशिक्षण सत्र का अवलोकन किया।बता दें कि अमेरिका यात्रा पर गए भारतीय सेना के उप प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एसके सैनी ने तीन दिनों में अमेरिकी सैन्य अधिकारियों के साथ बैठकें की। इस दौरान उन्होंने दोनों देशों की सेनाओं के बीच तालमेल बेहतर करने के विषय पर भी चर्चा की। सैनी 17 अक्तूबर को तीन दिन की यात्रा पर अमेरिका गए थे।

उनकी यात्रा का मकसद दोनों सेनाओं के बीच सैन्य सहयोग बढ़ाने के साथ-साथ पूरी लद्दाख में चीन सीमा की अग्रिम चौकियों पर तैनात सैनिकों के लिए खरीददारी से संबंधित रहा।

## शनिवार से दिखने लग जाएगा पंजाब और हरियाणा में जलाई जा रही पराली का असर

**नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (ए)। फिलहाल दिल्ली-एनसीआर का वायु प्रदूषण नियंत्रण में है, लेकिन सप्ताहांत में यह दमघोंटू हो सकता है। पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने की घटनाएं जहां इस समय जोरों पर है वहीं हवा की दिशा और रफ्तार भी एक दो दिन में प्रतिकूल होने वाली है। ऐसे में एयर इंडेक्स 300 का आंकड़ा पार कर बहुत खराब श्रेणी में चला जाएगा। राजधानी के बहुत से इलाकों में यह गंभीर श्रेणी में भी पहुंच सकता है। केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के अधीन वायु गुणवत्ता निगरानी संस्था सफर इंडिया के मुताबिक, इस समय पंजाब-हरियाणा में पराली जलाने की घटनाएं अपने चरम पर हैं।**

विचारणीय पहलू यह कि बीते साल यह स्थिति अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में बनी थी और दिल्ली के प्रदूषण में पराली के धुएं की सर्वाधिक हिस्सेदारी 30 अक्टूबर से एक नवंबर के बीच दर्ज हुई थी। इस साल पराली जलाने का सिलसिला एक सप्ताह पहले ही शुरू हो गया था। लिहाजा, इसका चरम भी एक सप्ताह पहले ही आ गया है। संभावना जताई जा रही है कि 23 से 25 अक्टूबर के बीच पराली का धुआं दिल्ली की हवा को सर्वाधिक प्रभावित कर सकता है।

बताया जाता है कि हरियाणा में जहां पराली जलाने के दो हजार से अधिक मामले सामने आ चुके हैं, वहीं पंजाब में यह संख्या छह हजार से भी ज्यादा है। हरियाणा में पराली जलाने के सर्वाधिक मामले सिरसा, फतेहाबाद, अंबाला और कैथल में दर्ज हो रहे हैं। पंजाब में इसके सर्वाधिक मामले लुधियाना, पटियाला, तरनतारन, अमृतसर और फिरोजपुर में सामने आ रहे हैं। जानकारों के मुताबिक तमाम रोक के बावजूद इस साल ऐसी घटनाएं बढ़ने की बड़ी वजह फसल की जल्द कटाई शुरू होना और कोरोना लॉकडाउन के चलते इस साल फसल की कटाई के लिए किसानों को श्रमिक नहीं मिलना भी है।

सफर इंडिया का कहना है कि एक दो दिन में हवा की दिशा उत्तर-पश्चिमी की जगह पूर्वी हो जाने के आसार हैं। अभी हवा की रफ्तार 15 किलोमीटर प्रति घंटे तक है, जबकि बाद में यह 5 किलोमीटर तक रह जाएगी। इस सूरत में सप्ताहांत के दौरान प्रदूषक तत्व उड़ नहीं पाएंगे एवं एयर इंडेक्स बहुत खराब श्रेणी में पहुंच जाएगा।

एस नारायणन (सदस्य सचिव, हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड) का कहना है कि पराली जलाने की घटनाओं का चरम इसी सप्ताह आने की संभावना है। सप्ताहांत में दिल्ली-एनसीआर की हवा बिगड़ सकती है। हालांकि बहुत कुछ मौसम और हवा की स्थिति पर भी निर्भर करता है। यह तय है कि वायु प्रदूषण गंभीर नहीं तो बहुत खराब श्रेणी तक तो पहुंच ही जाएगा।

## वायु प्रदूषण से फेफड़ों के साथ मानसिक बीमारियों का भी खतरा

**नई दिल्ली, 21 अक्टूबर (ए)।** वायु प्रदूषण का फेफड़ों पर तो सीधा असर पड़ता ही है, इससे मानसिक बीमारियों का भी खतरा रहता है। एक नए अध्ययन में यह बात सामने आई है कि वायु प्रदूषण के कारण पार्किंसंस व अल्जाइमर के साथ-साथ अन्य मानसिक बीमारियों की आशंका बढ़ जाती है। इसका सीधा संबंध पीएम 2.5 से है। वैसे तो यह अध्ययन अमेरिका के क्षेत्र विशेष पर आधारित है, लेकिन इसके निष्कर्ष हमारे देश की राजधानी दिल्ली व अन्य महानगरों में रहने वाले लोगों को सावधान करते हैं। इन शहरों में प्रदूषण का दानव एक बार फिर विकराल होता जा रहा है।

**क्या है पीएम 2.5:** पार्टिकुलेट मैटर अति सूक्ष्म कण होते हैं। इनका आकार एक इंच के दस हजारवें हिस्से के बराबर होता है। इनका उत्सर्जन उद्योगों, परिवहन, जंगल की आग आदि से होता है। आमतौर पर 35 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर पीएम 2.5 की मौजूदगी वाली हवा को ठीक माना जाता है, लेकिन विश्व स्वास्थ्य संगठन 10 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर के मानक की सिफारिश करता है। इस्तेमाल किए गए 6.30 करोड़ लोगों के आंकड़े = शोधकर्ताओं ने वर्ष 2000 से 2016 तक के आंकड़ों का अध्ययन में उपयोग किया। इस अवधि में अमेरिका के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती किए गए 6,30,38,019 मरीजों की सेहत संबंधी रिपोर्ट का विश्लेषण किया गया। इलाके के पिन कोड के माध्यम से वहां के पीएम 2.5 के स्तर व मरीजों के बीच के संबंधों को समझने की कोशिश की गई। इस दौरान पाया गया कि जिन इलाकों में हवा में पीएम 2.5 की सालाना मौजूदगी प्रति पांच माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर की दर से बढ़ी वहां के लोगों को पार्किंसंस व अल्जाइमर आदि मानसिक बीमारियों के कारण पहली बार अस्पताल में भर्ती कराने का खतरा 13 फीसद ज्यादा रहा। खतरा उन इलाकों में भी बरकरार रहा, जहां पीएम 2.5 का स्तर अमेरिकी पर्यावरण एजेंसी की तरफ से तय 12 माइक्रोग्राम प्रति घनमीटर से कम रहा। वू द लैंसेट प्लैनेट्री हेल्थ पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन के लेखक व हार्वर्ड यूनिवर्सिटी से जुड़े शोधकर्ता जियाओ वू ने कहा, 'हमारे अध्ययन में इस बात के प्रमाण मिले हैं कि पीएम 2.5 के बीच लंबा समय बिताना मानसिक स्वास्थ्य को दुर्बल करता है। इसके बावजूद कि पीएम 2.5 की मौजूदगी राष्ट्रीय स्तर के कम है।

## शवों की पहचान कर परिजनों को सौंपने का नेक काम कर रहे राजेश्वर राव

**हैदराबाद, 21 अक्टूबर (ए)।** तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में रहने वाले के. राजेश्वर राव, अज्ञात शवों की पहचान कर परिजनों को सौंपने का नेक काम कर रहे हैं। सत्य हरिशचंद्र फाउंडेशन के वह फाउंडर हैं, इसके ही जरिए वह यह कार्य करते हैं। इस फाउंडेशन के जरिए उनका लक्ष्य सिर्फ और सिर्फ मानवता बरकरार रखना है। राव अज्ञात शवों को उनके परिवार तक पहुंचाने के लिए एक वेबसाइट का इस्तेमाल करते हैं। इसके जरिए सभी अज्ञात शवों की वह पहचान करते हैं। अपनी ही फाउंडेशन के बैनर तले उन्होंने यह वेबसाइट बनाई है।

**अबतक 13,500 शवों की हुई पहचान:** न्यूज एजेंसी एएनआइ से बातचीत करते हुए उन्होंने बताया, मैं इस वेबसाइट के माध्यम से ही अज्ञात शवों को उनके परिजनों तक पहुंचाने की कोशिश करता हूं। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि अगर कोई किसी शव का दावा नहीं करता है, तो वह उस शव का अंतिम संस्कार पूरे सम्मान के साथ करते हैं। राजेश्वर राव ने कहा कि अब तक 13,500 शवों की पहचान कर ली गई है और शवों को उनके परिजनों को सौंपा गया है।

उधर, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में लगातार हो रही भारी बारिश के चलते आई बाढ़ से हालात बिगड़ गए हैं। आंध्र प्रदेश में 1.07 लाख हेक्टेयर में लगी फसल पानी में डूब गई है। हैदराबाद में 37 हजार से अधिक लोगों को बाढ़ प्रभावित इलाकों से निकाला गया है। वहीं तेलंगाना में बाढ़ से अब तक 70 लोगों की मौत हो चुकी है। मौसम विभाग के हवाले से बताया है कि तेलंगाना के इलाकों में 22 अक्टूबर तक भारी बारिश होती रहेगी।

## अनंतपुर में मजदूर की बेटी एक दिन के लिए बनीं जिला कलेक्टर

**अनंतपुर, 21 अक्टूबर (ए)।** आंध्र प्रदेश के अनंतपुर में 16 वर्षीय एम. श्रावणी को 11 अक्तूबर को एक दिन की कलेक्टर बनने का मौका मिला। श्रावणी के पिता किसान हैं और मां मजदूरी करती हैं। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में पढ़ने वाली इंटरमीडिएट की 16 साल की छात्रा एम.श्रावणी गर्ल्स सेलिब्रेशन डे के मौके पर एक दिन की कलेक्टर बनीं। दरअसल एक दिन जिला कलेक्टर की कुर्सी पर बैठने और काम करने के लिए लॉटरी सिस्टम के जरिए नाम निकाला गया था। यह लॉटरी जिला कलेक्टर कार्यालय में मीडिया से जुड़े लोगों की मौजूदगी में निकाला गया। जिला कलेक्टर गंधम चंद्रूडू ने बालिका भविष्यतू कार्यक्रम लॉन्च किया है।

इस कार्यक्रम का मकसद समाज में लड़कियों को आदर देने और उन्हें उनका अधिकार दिलाने के लिए लोगों को जागरुक करना था। एक दिन के लिए जिला कलेक्टर बनने के बाद 16 साल की एम.श्रावणी ने कहा कि हम जानवरों की देखभाल करना और अपने आसपास के इलाके को साफ रखना भूल गए हैं। एक दिन की जिला कलेक्टर ने कहा कि वो शिक्षक बनना चाहती हैं और उनका कहना था कि यह धारणा जरुरी है कि स्कूल के सभी ड्रॉपआउट भी शिक्षित ही होते हैं। केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने इसकी जानकारी दी। जावड़ेकर ने बताया कि जिले के सभी सरकारी कार्यालयों के प्रमुख के रूप में जिला प्रशासन ने एक लड़की को अवसर देने का फैसला किया था।

एम.श्रावणी को काम के दौरान एक फाइल दी गई। यह महिला एक महिला को 25,000 रुपए मुआवजा देने से संबंधित थी। यह महिला एससी/एसटी एक्ट के तहत एक पीड़िता थी। श्रावणी ने पूरी फाइल को ध्यान से पढ़ा और फिर सही जगह पर हस्ताक्षर किये। जिला कलेक्टर कार्यालय में मौजूद गैर सरकारी संस्था से जुड़े लोग और अन्य लोग सरवाणी की बुद्धिमता के कायल हो गए थे। श्रावणी को उनके काम में मदद के लिए आरडीटी हॉस्पिटल के निदेशक विशाल फेरर और अस्पताल के अध्यक्ष भानुजा मौजूद थे। श्रावणी ने एक अन्य फाइल पर साइन किये इस फाइल पर हस्ताक्षर करने के बाद राज्य प्रशासन की तरफ से आदेश जारी कर दिया गया है कि जो भी महिलाएं घरेलू कार्य के अलावा नौकरी कर रही हैं वैसी महिलाओं से रात 8 बजे से सुबह 8 बजे तक कोई भी ऑफिशियल काम नहीं लिया जाएगा।

## संरा मानवाधिकार प्रमुख ने भारत में कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी, एनजीओ पर प्रतिबंध पर जताई चिंता

**जिनेवा, 21 अक्टूबर (ए)।** संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त मिशेल बेशलेट ने भारत में ''मानवाधिकार कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी और गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) पर विदेशी अनुदान लेने के संबंध में लगाए गए प्रतिबंध'' को लेकर मंगलवार को चिंता व्यक्त की। बेशलेट ने भारत सरकार से अपील की कि वह ''मानवाधिकार रक्षकों एवं एनजीओ के अधिकारों'' और अपने संगठनों की ओर से ''अहम काम करने की उनकी क्षमता की रक्षा करे''।

उन्होंने एक बयान में कहा, ''भारत का मजबूत नागरिक समाज रहा है, जो देश और दुनिया में मानवाधिकारों का समर्थन करने में अग्रणी रहा है, लेकिन मुझे चिंता है कि अस्पष्ट रूप से परिभाषित कानूनों का इस्तेमाल इन (मानवाधिकार की वकालत करने वाली) आवाजों को दबाने के लिए किए जाने की घटनाएं बढ़ रही हैं।'' बेशलेट ने खासकर 'विदेशी अभिदाय विनियमन कानून' (एफसीआरए) के इस्तेमाल को ''चिंताजनक'' बताया जो ''जनहित के प्रतिकूल किसी भी गतिविधि के लिए'' विदेशी आर्थिक मदद लेने पर प्रतिबंध लगाता है। इस बीच, भारत ने गैर सरकारी संगठनों पर प्रतिबंधों और कार्यकर्ताओं की कथित गिरफ्तारी परबेशलेट की चिंता पर मंगलवार को तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और कहा कि मानवाधिकार के बहाने कानून का उल्लंघन माफ नहीं किया जा सकता तथा संयुक्त राष्ट्र इकाई से मामले को लेकर अधिक सुविज्ञ मत की आशा थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने यह भी कहा कि भारत लोकतांत्रिक व्यवस्था वाला देश है जो कानून के शासन और स्वतंत्र न्यायपालिका पर आधारित है।

उन्होंने कहा, ''हमने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त की ओर से विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम(एफसीआरए) से संबंधित मुद्दे पर कुछ टिप्पणियां देखी हैं। भारत कानून के शासन और न्यायपालिका पर आधारित लोकतांत्रिक व्यवस्था वाला देश है।'' श्रीवास्तव ने कहा, ''कानून बनाना स्पष्ट तौर पर संप्रभु परमाधिकार है। हालांकि, मानवाधिकार के बहाने कानून का उल्लंघन माफ नहीं किया जा सकता। संयुक्त राष्ट्र इकाई से अधिक सुविज्ञ मत की आशा थी।'' इससे पहले, बेशलेट ने कहा कि एफसीआरए कानून ''अत्यधिक हस्तक्षेप करने वाले कदमों को न्यायोचित ठहराता है, जिनमें एनजीओ कार्यालयों पर आधिकारिक छापेमारी और बैंक खातों को सील करने से लेकर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार निकायों से जुड़े नागरिक समाज संगठनों समेत एनजीओ के पंजीकरण निलंबित या रद्द करने तक के कदम शामिल हैं''।

## नवाज शरीफ के दामाद की गिरफ्तारी से सिंध में बवाल, शीर्ष अफसरों ने दी छुट्टी की दरख्वास्त

**कराची, 21 अक्टूबर (ए)।** पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के दामाद मुहम्मद सफदर की गिरफ्तारी और उनके खिलाफ एफआइआर दर्ज किए जाने के बाद सिंध के पुलिस महकमे में नाराजगी है। इस घटना के विरोध में दो अतिरिक्त महानिरीक्षकों (एआइजी), सात उप महानिरीक्षकों (डीआइजी) और छह वरिष्ठ अधीक्षकों ने छुट्टी का आवेदन किया है। उन्होंने अपनी छुट्टी की एक जैसी दरख्वास्त सिंध के पुलिस महानिरीक्षक मुश्ताक महार को सौंप दी है। इन अधिकारियों का कहना है कि सफदर की गिरफ्तारी से उपजे दबाव के चलते उनका मनोबल गिर गया है और उनके लिए ड्यूटी निभाना मुश्किल हो गया है।

इस बीच, पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज की उपाध्यक्ष मरयम नवाज ने आरोप लगाया है कि सिंध के पुलिस महानिरीक्षक को जबरन सेक्टर कमांडर के दफ्तर ले जाया गया और गिरफ्तारी के आदेश पर दस्तखत करने के लिए कहा गया। उन्होंने दावा किया कि जब महानिरीक्षक ने अपनी अनिच्छा जताई, तो उन्हें कहा गया कि सफदर को रेंजर गिरफ्तार करेंगे। लेकिन, उनसे जबरन दस्तखत कराने के बाद पुलिस को ही गिरफ्तार करने के लिए कहा गया।

इस बीच, पाकिस्तान के सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा ने सफदर की गिरफ्तारी की उच्चस्तरीय जांच का आदेश दिया है। सफदर को सोमवार को कराची में उनके होटल के कमरे से गिरफ्तार किया गया था। सेना की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि सेना प्रमुख ने कराची कोर कमांडर को तत्काल घटना की जांच करने और जितनी जल्दी हो सके रिपोर्ट सौंपने को कहा है। बयान में हालांकि यह नहीं स्पष्ट किया गया है कि उन्होंने किस घटना की जांच कराने को कहा है। लेकिन, इससे पहले पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो-जरदारी ने प्रशासन से सफदर की गिरफ्तारी से जुड़ी घटनाओं की जांच कराने की मांग की थी।

## सियासी घमासान तेज, ट्रंप ने अपने प्रतिद्वंद्वी बिडेन व उनके बेटे के खिलाफ दिए जांच के आदेश

**वाशिंगटन, 21 अक्टूबर (ए)।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने प्रतिद्वंद्वी व डेमोक्रेटिक प्रत्याशी जो बिडेन और उनके बेटे हंटर के खिलाफ जांच शुरू करने का आदेश दिया। हालांकि, अमेरिकी न्याय विभाग ने राष्टपति के जांच के आह्वान का जवाब नहीं दिया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने मंगलवार को अटॉर्नी जनरल विलियम बर्र को फोन करके इस मामले की जांच का आदेश दिया है। खास बात यह है कि ट्रंप का यह आदेश ऐसे वक्त आया है, जब राष्ट्रपति चुनाव में महज दो सप्ताह का समय शेष है। ट्रंप के इस कदम से अमेरिका में सियासत तेज हो गई है। इस जांच प्रक्रिया से जहां एक ओर डेमोक्रेटिक पार्टी सांसत में है, वहीं विपक्ष ने राष्ट्रपति ट्रंप पर न्याय विभाग का बेजा इस्तेमाल करने का आरोप लगा रहा है। डेमोक्रेट्स का कहना है कि ट्रंप चुनाव में न्याय विभाग का राजनीतिकरण कर रहे हैं।

ट्रंप ने फॉक्स एंड फ्रेंड्स को दिए एक साक्षात्कार में कहा 3 नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के मद्देनजर जांच प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। राष्ट्रपति ट्रंप ने पहली बार इस जांच के लिए बर्र को फोन किया। राष्ट्रपति ने कहा कि बर्र को इस कार्य में देरी नहीं करनी चाहिए। राष्ट्रपति चुनाव के पहले यह जांच प्रक्रिया पूरी होनी चाहिए, ताकि लोगों के समक्ष सच्चाई सामने आ सके। उन्होंने बर्र को सुझाव दिया कि जांच में तेजी लाने के लिए किसी को नियुक्त किया जाना चाहिए। प्रिंसिटन विश्वविद्यालय के जूलियन जेलिजर ने राष्ट्रपति के इस कदम से चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि चुनाव के वक्त इस तरह का कदम राजनीति से प्रेरित माना जाएगा। उन्होंने सवाल किया कि क्या बर्र ने वाटरगेट के नियमों को भूला दिया है।